LOK SABHA

Friday the 7th April, 1961/Chaitra 17, 1883 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

यमुना नदी पर दूसरा रेलवे पुल

\+
*१३८१. { श्री भक्त दर्शन :
श्री नवल प्रभाकर :
श्री अजित सिंह सरहदी :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री दी० चं० शर्मा ।

क्या रेलवे मंत्री ५ अगस्त, १९६० के अतारांकित प्रश्न संख्या ३१५ के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नई दिल्ली के पुराने किले के समीप यमुना नदी पर रेल के दूसरे पुल के निर्माण में, जिसके लिये मंजूरी दे दी गई है, अब तक क्या प्रगति हुई है ; और

(ख) उसका निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जाने की आशा है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) पाये, एबटमेंट और उनकी नीव बनाने के लिये टेंडर १८-३-१९६१ को खोले गये हैं और उत्तर रेलवे उनकी जांच कर रही है । पुल के लिये जितनी प्राइवेट जमीन की जरूरत है, वह ली जा चुकी है और नजूल जमीन लेने के बारे में कार्रवाई की जा रही है ।

(ख) यदि गर्डर के लिये इस्पात का सामान समय पर मिल गया, तो मार्च, १९६४ तक ।

I shall read it in English also.

Shri Shahnawaz Khan: (a) Tenders for the construction of piers and abutments and their foundations have been opened on 18th March, 1961 and are under examination of Northern Railway. All the private land required for the project has been acquired. Land acquisition work in respect of Nazul land however, is still in progress.

(b) By March 1964, provided steel work for the girders is received in time.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन् । जहां तक मुझे याद है इस पुल की चर्चा सन् १९५५ से चल रही है । जब राजधानी में यह हाल है तो और जगहों की क्या हालत होगी ? इस लिये मैं जानना चाहता हूं कि इसमें इतनी देरी क्यों हुई और अब भी क्यों हो रही है ?

श्री शाहनवाज खां : कोई खास देरी तो नहीं हुई । चर्चा तो बहुत सी बातों का बहुत पहले भी हो जाता है । ३० मार्च, १९५९ को इस पुल की मंजूरी हुई । उसके बाद पूना रिसर्च स्टेशन में इस पर कुछ खास माडल एक्स्पेरिमेंट्स करने थे, चूंकि यह बहुत पेचीदा मसला होता है बहुत बड़े बड़े दरियाओं पर पुल बनाने का । जैसे नतायज हमारे सामने आये हैं, उनके मुताबिक काम शुरू करने की हमने सब तैयारियां कर ली हैं ।

श्री नवल प्रभाकर : क्या माननीय मंत्री जी बतलायेंगे कि जो वर्तमान यमुना का पुल है उस की अपेक्षा यह मजबूती और आवागमन की दृष्टि से कैसा होगा ?

श्री शाहनवाज खां : बिल्कुल ठीक होगा ।

Shri Ajit Singh Sarhadi: May I ask whether this bridge will be available for pedestrian traffic as well as vehicular traffic?

Shri Shahnawaz Khan: It will only be a railway bridge. The matter whether a footpath will be provided there is still under consideration.

श्री नवल प्रभाकर : क्या माननीय मंत्री जी बतलायेंगे कि वे नजूल लैंड कितनी लेंगे और जो दूसरी जमीन है जो कि किसानों से ली गई है वह कितनी है । उसका कितना मुआवजा दिया गया है, और अगर अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है, तो कब तक देने का इरादा है ?

श्री शाहनवाज खां : कुल जमीन ७६८ एकड़ चाहिये । उसमें से ४५७.४६ एकड़ नजूल की है बाकी जो है वह काश्तकारों की है ।

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं जानना चाहता हूं कि इस पुल के निर्माण के संबंध में सरकार के अनुमानित आंकड़े क्या है, कितना धन इस पर व्यय होगा ?

श्री शाहनवाज खां : हमने जो अन्दाजा लगाया है वह ३.५१ करोड़ का है । लेकिन जमीन की कीमत जो है जब तक उसका आखिरी निर्णय नहीं हो जाता तब तक यकीनी तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है । मुमकिन है कि उसके बाद दाम में कुछ बढ़ोतरी हो ।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन् । माननीय मंत्री जी ने कहा कि यह पुल मार्च, १९६४ में बन कर तैयार होगा अगर गर्डर्स और इस्पात उपलब्ध हो गये । तो मैं जानना चाहता हूं कि यह "अगर" क्यों लगाया जा रहा है ? और इसके लिये क्यों व्यवस्था नहीं की जा रही है ताकि वह जल्दी बन सके ।

Mr. Speaker: There are a number of questions. He has also answered some supplementary questions. We should not take so much time on one question.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन् । मेरा मतलब यह है कि क्या गर्डर्स आदि की व्यवस्था करने के लिये कोई खास कदम उठाये जा रहे हैं ताकि पुल के बनने में अब बहुत देरी न हो ?

रेलवे मंत्री (श्री जगजीवन राम) : जी हां । लेकिन सब इंतजाम करने के बावजूद भी कभी कभी ऐसा होता है कि जो स्टील प्रोडक्शन का प्रोग्राम होता है वह सही न निकले । इसलिये देरी हो जाती है ।

School for Nurses at Hindu Rao Hospital, Delhi

*1382. **Shri Ram Krishan Gupta:** Will the Minister of **Health** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 668 on the 23rd November, 1960, and state:

(a) whether the Scheme to start nurses school attached to Hindu Rao Hospital to train nurses in the integrated course of public health and basic education has been finalised; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of Health (Shri Karmarkar): (a) Yes, Sir.

(b) The course of training extends to 3½ years. Generally 12 students are admitted to the course every year. However, due to paucity of accommodation only six students have been admitted this year and the course started on the 1st April, 1961. The nurses who qualify from this training school will be required to render at least two years service in the Hospitals of the Delhi Municipal Corporation.

Shri Ram Krishan Gupta: In view of the fact that there is an acute shortage of nurses in Delhi, may I know whether this training programme will be extended to other places?